Tirupati Fincorp Limited
CIN : L67120RJI1982PLC002438
Web : www.tirupatifincorp.in Email : tirupatifincorp31@gmail.com

ISO 9001 : 2008
CERTIFIED COMPANY

Corporate Office :
2nd Floor, Plot No. 36,
Pushpa Park, Daftary Road,
Malad (East), Mumbai - 400 097.
Maharashtra, India.
Contact : +91 (022) 71148504

February 07, 2026

To,
The Manager - CRD
BSE Limited,
Phiroze Jeejeebhoy Towers,
Dalal Street, Fort,
Mumbai - 400001.

Scrip Code - 539008

Sub: Newspaper Advertisement – Disclosure under Regulation 30 and Regulation 47 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 ("SEBI Listing Regulations").

Dear Madam/Sir,

In compliance with Regulation 30 of SEBI (LODR) Regulations, 2015, the Unaudited Financial Results of the Company for the quarter ended December 31, 2025, approved by the Board of Directors in its meeting held on Thursday, February 05, 20256, were published in the Jaipur (Business Remedies) on February 07, 2026. The copies of the same are enclosed herewith.

The same is also available on the Company's website viz. http://www.tirupatifincorp.in/

Request you to kindly take the same on record.

Thanking You

For **TIRUPATI FINCORP LIMITED**

Arvind Jethalal Gala

Digitally signed by Arvind Jethalal Gala
DN: c=IN, o=Personal, title=5034, pseudonym=W67Zf2AAxushTcYeR7GmDiFz8Hbd71lk, 2.5.4.20=bb3db1d8f0375b1922e7b16d275e0dd0c0077b24daa38287abf61246d7ee187, postalCode=400097, st=Maharashtra, serialNumber=bdfc7d466fca914a3052363a66007c2f90b5f0883acf2f3ddade9ded99e70870, cn=Arvind Jethalal Gala
Date: 2026.02.07 14:02:17 +05'30'

ARVIND JETHALAL GALA
DIRECTOR
DIN: 02392119

बिज़नेस रेमेडीज
वर्ष : 13 । अंक : 27

सम्पादकीय

गम देने वाली है ऑनलाइन गेमिंग की लत

ऑनलाइन गेमिंग के भ्रमजाल में फंसकर, उसे हकीकत मानकर जीने वाले किशोरवय जरा से विचलन से आत्मघात की राह पकड़ना अंतिम समाधान समझ लेते हैं। धीरे-धीरे किशोरवय को अपने चपेट में लेने वाली यह प्रवृत्ति कितनी घातक हो सकती है, उसका उदाहरण हाल ही घटी दो भयावह घटनाएं हैं। एक हृदयविदारक घटना में गाजियाबाद की तीन अल्पवयस्क बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। ऑनलाइन कोरियन गेम की दीवानी बहनें कोरिया में जाकर बसने और वहीं नया जीवन शुरू करने का सपना देखती थीं। घर वालों ने जब उनकी ऑनलाइन सनक से परेशान होकर उनसे मोबाइल छीन लिए, तो वे तनाव व अवसाद में घिर गई। फिर तीनों बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। ऐसी ही घटना हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भी घटी जहां एक पंद्रह वर्षीय किशोर ने ऑनलाइन गेम के अपने एक विदेशी साथी के बिछुड़ने के गम में घर में आत्महत्या कर ली, किशोर दसवीं का छात्र था। इन घटनाओं ने आम जनमानस को झकझोर कर रख दिया और बच्चों को लेकर फिक्र बढ़ा दी। निःसंदेह, ये आत्मघात की घटनाएं, ऑनलाइन गतिविधियों के अतिरेक से मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को लेकर गंभीर सवालों को जन्म देती हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि गाजियाबाद में 12, 14 और 16 साल की तीन सुकोमल बहनें असमय काल-कवलित हो गईं। पुलिस भी प्रथम दृष्टया मान रही है कि इस दुखद घटना के पीछे ऑनलाइन गेमिंग ऐप का अत्यधिक उपयोग और घर में इसके इस्तेमाल को लेकर हुआ विवाद था। वहीं दूसरी ओर जांच अधिकारी अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले पारिवारिक परिस्थितियों और मनोवैज्ञानिक स्थिति सहित सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। इसी तरह कुल्लू की घटना भी विचलित करने वाली है। जहां विदेश में रहने वाले एक ऑनलाइन गेमिंग मित्र के साथ संपर्क टूट जाने के बाद अत्याधिक मानसिक व्याकुलता से ग्रस्त पंद्रह वर्षीय छात्र ने आत्महत्या कर ली। निश्चित रूप से आत्मघात की ये घटनाएं हमारे नीति-नियंताओं और अभिभावकों को आसन्न संकट के प्रति सचेत करती हैं।

BR
सूचना

इस पृष्ठ पर प्रकाशित सभी विशेष लेख व्यक्तिगत सोच के आधार पर हैं।
-संपादक

विघ्नहर्ता, शुभकर्ता गणेशजी बहुआयामी देवता हैं

ललित गर्ग

गणेश भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं। प्राचीन काल से हिन्दू समाज कोई भी कार्य निर्विघ्न सम्पन्न करने के लिए उसका प्रारम्भ गणपति की पूजा से ही करता आ रहा है। प्रतिकूल, अशुभ, अज्ञान एवं दुःख से परेशान मनुष्य के लिये गणेश ही तारणहार है। वे सात्विक देवता हैं और विघ्नहर्ता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। हर तरफ गणेश ही गणेश छाए हुए है। भाद्रपद शुक्ल की चतुर्थी को सिद्धि विनायक भगवान गणेश का जन्म हुआ। गणेशोत्सव हिन्दुओं का एक उत्सव है। दरअसल गणेश सुख-समृद्धि, रिद्धि-सिद्धि, वैभव, आनन्द, ज्ञान एवं शुभता के अधिष्ठाता देव हैं। प्रथम देव होने के साथ-साथ उनका व्यक्तित्व बहुआयामी है, लोकनायक का चरित्र हैं। इसलिये वे सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक लोकप्रियता वाले देव है। गणेश के रूप में विष्णु शिव-पावर्ती के पुत्र के रूप में जन्म थे। उनके जन्म पर सभी देव उन्हें आशीर्वाद देने आए था। विष्णु ने उन्हें ज्ञान का, ब्रह्मा ने यश और पूजन का, धर्मदेव ने धर्म तथा दया का आशीर्वाद दिया। शिव ने उदारता, बुद्धि, शक्ति एवं आत्म संयम का आशीर्वाद दिया। लक्ष्मी ने कहा कि जहां गणेश रहेंगे, वहां मैं रहूंगी।' सरस्वती ने वाणी, स्मृति एवं वक्तृत्व-शक्ति प्रदान की। सावित्री ने बुद्धि दी। त्रिदेवों ने गणेश को अग्रपूज्य, प्रथम देव एवं रिद्धि-सिद्धि प्रदाता का वर प्रदान किया। गणेशजी की आकृति विचित्र है, किन्तु इस आकृति के आध्यात्मिक संकेतों के रहस्य को यदि समझने का प्रयास किया जाये तो सनातन लाभ प्राप्त हो सकता है। क्योंकि गणेश अर्थात् शिव पुत्र अर्थात् शिवत्व प्राप्त करना होगा अन्यथा क्षेम एवं लाभ की कामना सफल नहीं होगी। गजानन गणेश की व्याख्या करें तो ज्ञात होगा कि 'गज' दो व्यंजनों से बना है। 'ग' प्रतीक है गति और गंतव्य का तो 'ज' जन्म अथवा उद्गम का प्रतीक है। अर्थात् गज शब्द उत्पत्ति और अंत का संकेत देता है-जहाँ से आये हो वहीं जाओगे। जो जन्म है वही मृत्यु भी है। ब्रहम और जगत के यथार्थ को बनाने वाला ही गजानन गणेश है।

गणेश भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं, वे सात्विक देवता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। हर तरफ गणेश ही गणेश छाए हुए है। मनुष्य के दैनिक कार्यों में सफलता, सुख-समृद्धि की कामना, बुद्धि एवं ज्ञान के विकास एवं किसी भी मंगल कार्य को निर्विघ्न सम्पन्न करने हेतु गणेशजी को ही सर्वप्रथम पूजा जाता है, याद किया जाता है। महाराष्ट्र का गणेशोत्सव विशेष रूप से प्रसिद्ध है। हजारों स्थानों पर भारतीय कला और संस्कृति की भिन्न-भिन्न गणेश-छवियों के दर्शन होते हैं। रात्रि में सर्वत्र रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। अंतिम दिन बड़ी धूमधाम से गणेश-प्रतिमाओं का विसर्जन नदी तटों, सरोवरों अथवा समुद्र में किया जाता है। दिन-प्रतिदिन गणेश चतुर्थी को अधिक से अधिक भव्यता से मनाने का प्रचलन बढ़ता ही जा रहा है।

भारतीय संस्कृति एक ईश्वर की विशाल कल्पना के साथ अनेकानेक देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना से फलती-फूलती रही है। सब देवताओं की पूजा से प्रथम गणपति की पूजा का विधान है। दरअसल गणेश सुख-समृद्धि, वैभव एवं आनंद के अधिष्ठाता हैं। बड़े एवं साधारण सभी प्रकार के लौकिक कार्यों का आरंभ उनके दिव्य स्वरूप का स्मरण करके किया जाता है। व्यापारी अपने बही-खातों पर 'श्री गणेशाय नमः' लिख कर नये वर्ष का आरंभ करते हैं। प्रत्येक कार्य का शुभारंभ गणपति पूजन एवं गणेश वंदना से किया जाता है। विवाह का मांगलिक अवसर हो या नए घर का शिलान्यास, मंदिर में मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव हो या जीवन में षोड्स संस्कार का प्रसंग, गणपति का स्मरण सर्वप्रथम किया जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार जो भक्ति-पूर्वक गणेश की पूजा-अर्चना करता है, उसके सम्मुख विघ्न कभी नहीं आते। गणपति गणेश अथवा विनायक सभी शब्दों का अर्थ है देवताओं का स्वामी अथवा अग्रणी।

गणेशजी की सम्पूर्ण शारीरिक रचना के पीछे भगवान शिव की व्यापक सोच रही है। एक कुशल, न्यायप्रिय एवं सशक्त शासक एवं देव के समस्त गुण उनमें समाहित किये गये हैं। गणेशजी का गज मस्तक हैं अर्थात् वह बुद्धि के देवता हैं। वे विवेकशील हैं। उनकी स्मरण शक्ति अत्यन्त कुशाग्र हैं। हाथी की भ्रांति उनकी प्रवृत्ति प्रेरणा का उद्गम स्थान धीर, गंभीर, शांत और स्थिर चेतना में है। हाथी की आंखें अपेक्षाकृत बहुत छोटी होती हैं और उन आँखों के भावों को समझ पाना बहुत कठिन होता है। दरअसल गणेश तत्ववेत्ता के आदर्श रूप हैं। गण के नेता में गुरुता और गंभीरता होनी चाहिए। उनके स्थूल शरीर में वह गुरुता निहित है। उनका विशाल शरीर सदैव सतर्क रहने तथा सभी परिस्थितियों एवं कठिनाइयों का सामना करने के लिए तत्पर रहने की भी प्रेरणा देता है। उनका लंबोदर दूसरों की बातों की गोपनीयता, बुराइयों, कमजोरियों को स्वयं में समाविष्ट कर लेने की शिक्षा देता है तथा सभी प्रकार की निंदा, आलोचना को अपने उदर में रख कर अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। छोटा मुख कम, तर्कपूर्ण तथा मृदुभाषी होने का द्योतक है।

गणेश का व्यक्तित्व रहस्यमय हैं, जिसे पढ़ पाना एवं समझ पाना हर किसी के लिये संभव नहीं है। शासक भी वही सफल होता है जिसके मनोभावों को पढ़ा और समझा न जा सके। इस प्रकार अच्छा शासक वही होता है जो दूसरों के मन को तो अच्छी तरह से पढ़ ले परन्तु उसके मन को कोई न समझ सके। दरअसल वे शौर्य, साहस तथा नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। उनके हेरांब रूप में युद्धप्रियता का, विनायक रूप में यक्षों जैसी विकरालता का और विघ्नेश्वर रूप में लोकरंजक एवं परोपकारी स्वरूप का दर्शन होता है। गण का अर्थ है समूह। गणेश समूह के स्वामी हैं इसीलिए उन्हें गणाध्यक्ष, लोकनायक, गणपति आदि नामों से पुकारा जाता है।

गज मुख पर कान भी इस बात के प्रतीक हैं कि शासक जनता की बात को सुनने के लिए कान सदैव खुले रखें। यदि शासक जनता की ओर से अपने कान बंद कर लेगा तो वह कभी सफल नहीं हो सकेगा। शासक को हाथी की ही भांति शक्तिशाली एवं स्वाभिमानी होना चाहिए। अपने एवं परिवार के पोषण के लिए शासक को न तो किसी पर निर्भर रहना चाहिए और न ही उसकी आय के स्रोत ज्ञात होने चाहिए। हाथी बिना झुके ही अपनी सूँड की सहायता से सब कुछ उठा कर अपना पोषण कर सकता है। शासक को किसी भी परिस्थिति में दूसरों के सामने झुकना नहीं चाहिए।

आरएसवी में 6 लाख रु. से अधिक की छात्रवृत्ति का वितरण

बिजनेस रेमेडीज़/जयपुर। जय नारायण व्यास कॉलोनी स्थित आरएसवी हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों को रु. 6 लाख से अधिक की छात्रवृत्ति का वितरण किया गया।

भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं समाजसेवी रवि शेखर मेघवाल ने आरएसवी के सीएमडी सुभाष स्वामी के साथ कक्षा 10वीं में 80% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले तथा कक्षा 11वीं एवं 12वीं में अध्यनरत 122 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के चेक वितरित किए।

अपने उद्बोधन में रवि शेखर ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को निर्धारित कर उसे प्राप्त करने के लिए पूर्ण मनोयोग से प्रयास करने हेतु प्रेरित किया। प्रतिस्पर्धा के इस युग में विद्यार्थियों को सदैव अपने माता-पिता एवं गुरुओं के बताए गए मार्ग पर निष्ठा पूर्वक चलना चाहिए। आपने समय मैनेजमेंट आत्मविश्वास पर अत्यधिक बल दिया। स्वामी ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की प्रतिभा अलग-अलग होती है अतः अपनी रुचि एवं लक्ष्य के अनुसार ही आपको आगे बढ़ना चाहिए। विद्यार्थियों को अपने संस्कारों एवं नैतिकता के साथ समझौता नहीं करना चाहिए। विद्यार्थियों के अभिभावकों ने भी कार्यक्रम की सराहना की तथा विद्यार्थियों को प्रेरित करने हेतु इस प्रकार के प्रयासों उपयोगी बताया।

कार्यक्रम में अभिभावकों के साथ व्यवसायी ओमप्रकाश मोदी, श्याम सुंदर मोदी, आरएसवी के प्रधानाचार्य रविंद्र भटनागर, सीनियर विंग कोऑर्डिनेटर डॉक्टर पुनीत चोपड़ा एवं अन्य अध्यापक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ऋतु शर्मा ने किया।

अंबुजा सीमेंट्स ने मारवाड़ मुंडवा में वर्षा जल संचयन से 3,400 ग्रामीण परिवारों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की

अंबुजा सीमेंट्स ने अपने सीएसआर कार्यक्रम के तहत 11 गांवों में 3,400 से अधिक घरों में रूफटॉप रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम (आरआरडब्ल्यूएचएस) स्थापित करवाए।

हजारों परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 47 सामुदायिक स्तर के आरआरडब्ल्यूएचएस यूनिट विकसित किए गए।

वर्षा जल भंडारण बढ़ाने और सामुदायिक जल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 140 पारंपरिक तालाबों का पुनर्जीवन किया गया।

बिजनेस रेमेडीज/नागौर। दुनिया की 9वीं सबसे बड़ी बिल्डिंग मटेरियल सॉल्यूशंस कंपनी और विविध क्षेत्रों में कार्यरत अदाणी पोर्टफोलियो का हिस्सा अंबुजा सीमेंट्स ग्रामीण समुदायों को स्थायी जल आपूर्ति के माध्यम से सशक्त बनाने के उद्देश्य से जल संरक्षण और प्रबंधन की पहलों के प्रति प्रतिबद्ध है। मारवाड़ मुंडवा और आसपास के गांवों में, जहां कभी पीने के पानी के लिए रोजाना संघर्ष करना पड़ता था, अंबुजा सीमेंट्स ने अपने सीएसआर कार्य म के माध्यम से रूफटॉप रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम (आरआरडब्ल्यूएचएस) की शुरुआत कर स्वच्छ जल को घर-घर तक पहुंचाया है। इससे विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता में प्रत्यक्ष सुधार हुआ है।

समुदाय-केंद्रित प्रयासों के तहत अंबुजा सीमेंट्स ने 3,410 से अधिक घरों में आरआरडब्ल्यूएचएस की स्थापना करवाई है, जिससे लगभग 555 लाख लीटर सुरक्षित पेयजल का भंडारण सुनिश्चित हुआ है। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने 47 सामुदायिक स्तर के आरआरडब्ल्यूएचएस यूनिटों के निर्माण में सहयोग किया, जिससे क्षेत्र की जल भंडारण क्षमता में लगभग 20 लाख लीटर की और वृद्धि हुई। हर घर में स्वच्छ पानी की उपलब्धता से महिलाओं पर पानी लाने का बोझ कम हुआ है, बालिकाओं की स्कूल वापसी संभव हुई है और 6,000 से अधिक परिवारों के जीवन स्तर में सुधार आया है। जल सुरक्षा के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए, अंबुजा सीमेंट्स ने 140 पारंपरिक गांव तालाबों के पुनर्जीवन में भी सहयोग किया है। तालाबों की गहराई बढ़ाने जैसे कार्यों से वर्षा जल संरक्षण क्षमता में 1.14 लाख लीटर से अधिक की वृद्धि हुई है। ये प्रयास अंबुजा सीमेंट्स की आत्मनिर्भर और सशक्त समुदायों के निर्माण तथा क्षेत्र में दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

डॉ. ललित मोदी ने सिडनी में प्राप्त किया रोबोटिक शोल्डर रिप्लेसमेंट का विशेष प्रशिक्षण

बिजनेस रेमेडीज़/जयपुर। सीके बिरला हॉस्पिटल्स के सीनियर जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. ललित मोदी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित रॉयल नॉर्थ शोर अस्पताल में रोबोटिक शोल्डर रिप्लेसमेंट पर केंद्रित विशेष प्रशिक्षण कार्य म पूरा किया है। 4 दिन के इस सर्जिकल विजिटेशन कार्यक्रम में उन्हें विश्वस्तरीय तकनीक को करीब से समझने और सीखने का अवसर मिला।

डॉ. ललित मोदी ने बताया कि यह फेलोशिप नहीं, बल्कि एडवांस ट्रेनिंग प्रोग्राम था, जिसमें पार्टिसिपेंट्स अनुभवी सर्जनों के साथ ऑपरेशन थिएटर में काम करते हैं और अत्याधुनिक रोबोटिक तकनीक का

प्रत्यक्ष अनुभव लेते हैं। इस दौरान उन्होंने प्रसिद्ध शोल्डर विशेषज्ञ डॉ. बेंजामिन काफ और डॉ. काल्मिन पाइपर के साथ काम किया।

दुनिया के बहुत कम सेंटर्स पर होती हैं रोबोटिक शोल्डर रिप्लेसमेंट सर्जरीः डॉ. ललित ने जानकारी दी कि वर्तमान में दुनिया में बहुत कम केंद्र ऐसे हैं जहां रोबोटिक शोल्डर रिप्लेसमेंट किया जाता है। भारत में यह तकनीक अभी परीक्षण चरण में है, लेकिन निकट भविष्य में इसके शुरू होने की पूरी संभावना है। हालांकि, घुटना प्रत्यारोपण में रोबोटिक तकनीक का इस्तेमाल भारत में पहले से किया जा रहा है। डॉ. ललित ने बताया कि उनके सेंटर पर शोल्डर की एडवांस सर्जरी के फेलोशिप प्रोग्राम होते हैं जहां देशभर के सर्जन भाग लेते हैं।

डॉ. ललित मोदी ने उम्मीद जताई कि इस प्रशिक्षण से वे भारत में मरीजों को और अधिक सटीक, सुरक्षित और बेहतर इलाज दे सकेंगे। चिकित्सा जगत में उनके इस प्रयास को नई दिशा की ओर एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राजस्थान सहायक कर्मचारी संघ ने सीएम के नाम कलैक्टर को सौंपा ज्ञापन

बिजनेस रेमेडीज़/जयपुर। जिला अध्यक्ष सहायक कर्मचारी संघ के नेतृत्व में राजस्थान सहायक कर्मचारी संघ के आव्हान पर जिला कलैक्टर कार्यालय जयपुर में ध्यान आकर्षण के लिए धरना देकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन जिला कलैक्टर को सौंपा। राजस्थान सहायक कर्मचारी संघ के जयपुर जिला अध्यक्ष मोहनलाल मीणा ने बताया कि इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मान सिंह शेखावत ने बताया कि समस्त 41 जिलों में जिला कलैक्टरों के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन सौंपे गए। इसमें मुख्य मांग सहायक कर्मचारी वार्ड बॉय एवं ठेका प्रथा थी। प्रदेश के महामंत्र लेखराज वर्मा ने महासंघ के 17 सूत्री मांग पत्र के बारे में अवगत कराया। धरने का संचालन चंद्रशेखर गुर्जर ने किया। धरनें में महासंघ के पदाधिकारियों प्रदेश अध्यक्ष महावीर शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष तेज सिंह राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष केके गुप्ता, गुलाब मीणा, नवीन शुक्ला, जयपुर जिला महामंत्री राजेंद्र कुमार शर्मा, साधना, जय सिंह, पृथ्वी सिंह, मोहन चौधरी, रामकिशोर मीणा, दिलीप सिंह राजावत, हिमांशु यादव और जगदीश नारायण शर्मा पदाधिकारी ने संबोधित किया। राज्य सरकार मांगों पर विचार कर शीघ्र समाधान नहीं करती है तो आंदोलन को तेज किया जाएगा।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज़ लिमिटेड ने भारतीय सेना के साथ किया एमओयू

बिजनेस रेमेडीज़/जयपुर। टेस्ट प्रिपरेटरी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी एईएसएल (आकाश एजुकेशनल सर्विसेज़ लिमिटेड) ने भारतीय सेना के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य सेना के कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण को समर्थन देना है। इसमें वर्तमान में सेवा दे रहे सदस्य, सेवानिवृत्त सैनिक, गैलेंट्री पुरस्कार विजेता, दिव्यांग कर्मी तथा ड्यूटी के दौरान शहीद हुए सैनिकों के परिवार शामिल हैं। इस एमओयू के तहत, एईएसएल देशभर में स्थित अपने सभी केंद्रों और शाखाओं में प्रवेश लेने वाले भारतीय सेना के विद्यार्थियों को विशेष लाभ प्रदान करेगा। यह समझौता भारतीय सेना के कर्नल, सेरेमोनियल एंड वेलफेयर 3&4 और एईएसएल के डॉ. यश पाल, चीफ़ अकैडमिक एंड बिज़नेस हेड, दिल्ली-एनसीआर द्वारा हस्ताक्षरित किया गया।

यह एमओयू भारतीय सेना के कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है, जिसमें देशभर के एईएसएल केंद्रों पर पाठ्यक्रमों के लिए छात्रवृत्तियाँ प्रदान करना भी शामिल है। इसके तहत ड्यूटी के दौरान शहीद हुए कर्मियों के बच्चों को सिर्फ़ रजिस्ट्रेशन फ़ीस देनी होगी और बाकी सभी फ़ीस में 100 प्रतिशत छूट है। 20 प्रतिशत से ज़्यादा विकलांगता वाले कर्मियों और वीरता पुरस्कार पाने वालों के बच्चों के लिए 100प्रतिशत ट्यूशन फ़ीस माफ़ है। इसके अलावा सेवारत और रिटायर्ड कर्मियों के बच्चों के लिए 20 प्रतिशत ट्यूशन फ़ीस में छूट है, जो दूसरी स्कॉलरशिप घटाने के बाद लागू होगी।इन छात्रवृत्तियों के अलावा एईएसएल की पहले से चल रही स्कॉलरशिप योजनाएँ भी जारी रहेंगी, जिनका लाभ प्रवेश लेने की इच्छा रखने वाले सभी विद्यार्थियों को मिलता है। एईएसएल के एमडी और सीईओ चंद्र शेखर गरिसा रेड्डी ने कहा कि एईएसएल में हमारा विश्वास है कि शिक्षा उज्जवल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। भारतीय सेना के साथ साझेदारी के माध्यम से हम अपने बहादुर सैनिकों के त्याग का सम्मान करते हुए उनके परिवारों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। स्कॉलरशिप, मेंटरिंग और काउंसलिंग के माध्यम से हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे वीरों के बच्चे अपनी पूरी क्षमता हासिल कर सकें और अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट नेतृत्व स्थापित करें।

TIRUPATI FINCORP LIMITED

CIN: L67120RJ1982PLC002438

Regd. Office: Flat no. G2/G17, Raghuraj Enclave, Krishna Marg C-Scheme, Jaipur, Rajasthan, India, 302001
Tel: +91 022 71148504 | **Email id:** tirupatifincorp31@gmail.com | **Website:** http://www.tirupatifincorp.in/

EXTRACT OF UNAUDITED FINANCIAL RESULT FOR THE QUARTER ENDED DECEMBER 31, 2025

(₹ In Lakhs)

Particulars	Quarter Ended			Six Month Ended		Year ended
	As on 31.12.2025	As on 30.09.2025	As on 31.12.2024	December 31, 2025	December 31, 2024	March 31, 2025
	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited
Total Income from Operation	278.06	791.62	3 ,767.57	2,101.99	10,504.17	11,069.58
Total Expenses	627.08	851.67	4,549.84	2,289.46	11,379.10	11,152.71
Net Profit/(Loss) for the period before Tax	(349.02)	(60.05)	(782.27)	(187.47)	(874.93)	(83.12)
Net Profit/(Loss) for the period after Tax	(260.26)	(44.18)	(669.20)	(138.60)	(735.90)	(82.37)
Paid-up Equity Share Capital (FV 10/- each)	504.22	504.22	504.22	494.42	494.42	504.22
Basic	(5.16)	(0.88)	(13.27)	(2 .80)	(14.88)	(1.63)
Diluted	(5.16)	(0.88)	(13.27)	(2 .80)	(14.88)	(1.63)

Note:
1. The above Unaudited Financial Results along with limited review have been reviewed by the Audit Committee thereafter approved and record by Board of Directors at their meeting held on 05.02.2026.
2. As required under clause 33 of SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, the Statutory Auditors of the Company have carried out limited review of the above Financial Results for the period ended 31.12.2025.
3. The Company has adopted Indian Accounting Standard (Ind AS) for the financial year commencing from 1st April 2019 and above results have been prepared in accordance with IND AS prescribed under section 133 of the Companies Act, 2013 and read with relevant rule made thereunder.
4. The figures as at 31st December, 2025, 30th September, 2025 and 31st December, 2024 are unaudited, whereas the figures as at 31st March, 2025 are audited. The figures for the period ended 31st December, 2025 and 31st December, 2024 are the balancing figures between the unaudited figures for the half year ended 30th September, 2025 and 30th September, 2024 respectively.
5. The Company operates in two segments during the quarter namely, financing activities and Investment and Trading in securities. A separate reportable operating segment is prepared as per IND AS 108 - Operating Segments.
6. The Figures for the corresponding previous periods has been regrouped/ reclassified wherever necessary, to make them comparable.

The full format is also available on the website of the company i.e. http://www.tirupatifincorp.in/ and BSE's Website i.e. https://www.bseindia.com.

For Tirupati Fincorp Limited
Sd/-
Arvind Gala
Director
DIN: 02392119

Place: Mumbai
Date : 05.02.2026